नाबार्ड
बूंद
जल जागरण हेतु एक प्रयास

नाबार्ड

## OUR MISSION

प्रभावी ऋण सहायता, सम्बंधित सेवाओं, संस्थागत विकास और अन्य अभिनव पहल के माध्यम से स्थाई व न्यायसंगत कृषि और ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देना।

To promote sustainable and equitable agriculture and rural prosperity through effective credit support, related services, institutional development and other innovative initiatives.

# ABOUT THE CAMPAIGN

The "Jal Jeewan Hai 2017" campaign was launched by NABARD on 22nd of March 2017 on the occasion of World Water Day, in order to create awareness about water harvesting, conservation and judicious use of water. The campaign covered 1,00,000 villages from 21 states across India. It was designed and implemented by NABARD in collaboration with the Centre of Environment Education.

Under this campaign, **12 of the most vulnerable districts in Uttar Pradesh** were chosen, 6300 villages were covered during the campaign. 40 'Jaldoots' from each district, trained under Master Trainers, went to these villages in order to educate the people about "Water Scarcity and its Solution".

11 'Jalsahayaks' per village have been identified and water resource mapping has also been undertaken.

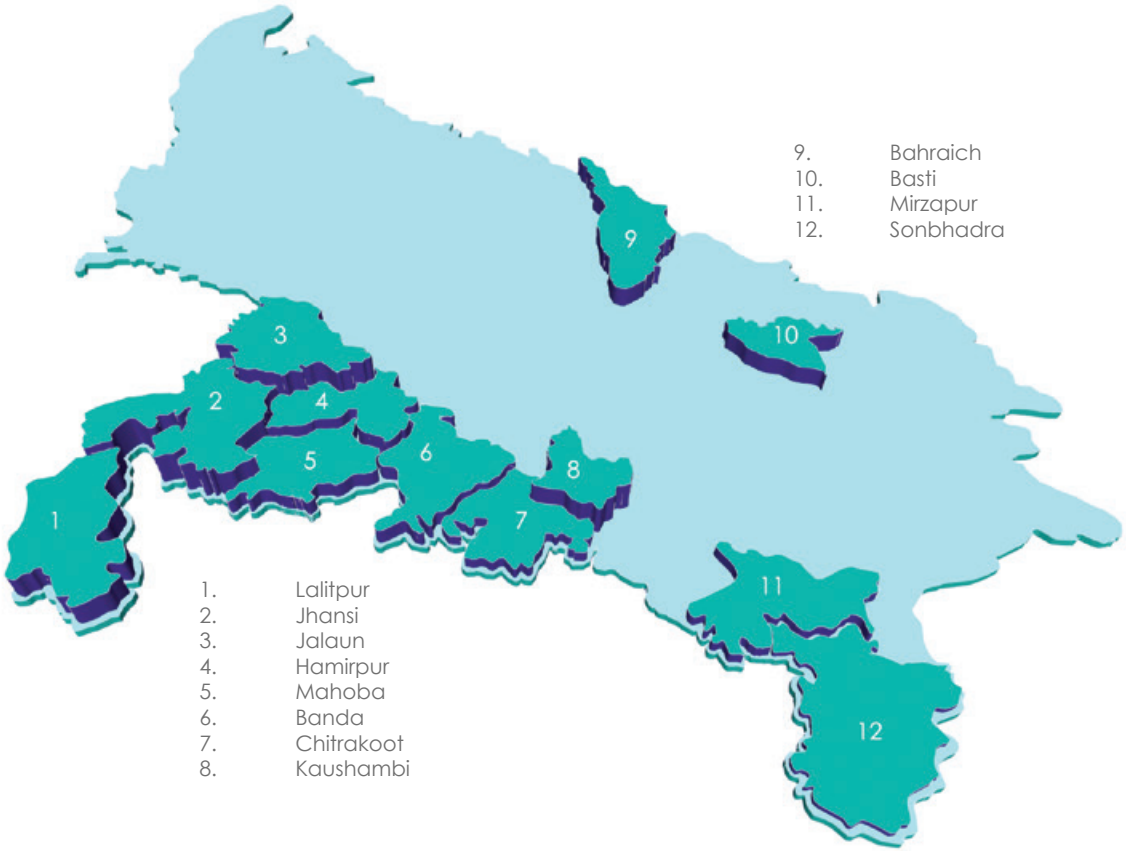


1. Lalitpur
2. Jhansi
3. Jalaun
4. Hamirpur
5. Mahoba
6. Banda
7. Chitrakoot
8. Kaushambi
9. Bahraich
10. Basti
11. Mirzapur
12. Sonbhadra

## उप प्रबंध निदेशक महोदय का संदेश

नाबार्ड द्वारा जल संरक्षण, प्रबंधन एवं जल के न्यायोचित उपयोग पर जोर देने के लिए "जल जीवन है" जल जागरण अभियान का संचालन मई और जून माह में देश के एक लाख गाँव में किया गया। इस अभियान का सांकेतिक शुरुआत 22 मार्च 2017 को विश्व जल दिवस पर किया गया एवं देश भर में एक लाख गाँव तक जल जीवन है अभियान के संदेश को कृषि जलदूतों के माध्यम से पहुंचाया गया।

इस अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य के 12 जनपदों के 6300 गाँव में कृषि जल दूतों के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किए गए।

यह प्रसन्नता का विषय है कि नाबार्ड उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा इस अभियान के यादगार लम्हो को समाहित करते हुए एक चित्र पुस्तिका "बूँद – जल जागरण हेतु एक प्रयास" प्रकाशित करने का निर्णय लिया है। मुझे उम्मीद ही नहीं वरन विश्वास है कि चित्र पुस्तिका भविष्य में जल जीवन है अभियान कि दिशा तय करने में सहायक सिद्ध होगी।

मैं उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय को और विशेष कर "जल जीवन है" अभियान टीम को इस प्रकाशन के लिए बधाई देता हूँ ।

एच. आर. दवे
उप प्रबंध निदेशक, नाबार्ड

# वीरपुर गाँव का मानचित्र

## मुख्य महाप्रबंधक का संदेश

"जल जीवन है" जल जागरण अभियान 2017 उत्तर प्रदेश के 12 जनपदों के 6300 गाँव में आयोजित किया गया। मास्टर ट्रेनर एवं कृषि जल दूतों ने नाबार्ड जिला विकास प्रबन्धक के साथ कंधे से कंधा मिला कर प्रभावी तरीके से जल संरक्षण, प्रबंधन, कृषि जल आदि ज्वलंत विषयों पर संदेश गाँव–गाँव तक पहुंचाया।

इस अभियान में राज्य सरकार, जिला प्रशासन , ग्राम पंचायतों का भरपूर सहयोग नाबार्ड को प्राप्त हुआ।

नाबार्ड आशा करता है कि इस अभियान से उपजे जल संबन्धित मुद्दों पर यथोचित कारवाई सुनिश्चित हो पाएगी एवं विभिन्न विभाग अपने स्तर पर आवश्यक कदम उठाएंगे।

क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा इस अभियान पर आधारित चित्र पुस्तिका "बूँद – जल जागरण हेतु एक प्रयास" के प्रकाशन से जल जागरण अभियान से संबन्धित गतिविधियों को चिरस्थायी रूप से आलेखित करने में मदद मिलेगी।

"जल जीवन है" जल जागरण अभियान आधारित चित्र पुस्तिका के लिए सभी को बधाई।

ए. के. पंडा
मुख्य महाप्रबंधक
नाबार्ड, उत्तर प्रदेश

## About "A day in a village programme"

The "Jal Jeevan Hai" program reached out to the village communities through "A day in a Village" programme conducted by the 'Jal Doots'. Around 500 'Jaldoots' were trained under a Master Trainer in a one day district level training during April '17 in Lucknow.

The 'Jaldoots' covered total 6300 villages from 12 districts of Uttar Pradesh.

The campaign was scheduled in five stages, as:

- Meeting with Panchayat for Jal Sahayak
- Walkathon
- Water Resource Mapping
- Focus Group Discussion with Farmers and SHGs
- Jal Samwad and Sankalp
- Plantation drive

# Lalitpur

Lalitpur, home to seven multi purpose dams faces severe drought conditions every year. Situated in the Bundelkhand, undulating terrain and sandy soil does not allow Lalitpur to hold onto the falling rains for long. The rivers dry up and the soil gets parched, forcing exodus of local population in search of alternate livelihoods. Covering more than five thousand kilometers of the land, Lalitpur craves for water for its fields and its people. Jal Jeevan hai, NABARD's Water Campaign 2017 tried to spread awareness about adoption of the best practices for water conservation and judicious usage of water.

Jal Samvaad Program, at Lalitpur, U P.

District: Lalitpur
Implementing organization: Sai Jyoti Sewa Sansthan
Master trainer: Sidh Gopal
DDM, NABARD: Vivek Kumar Gupta

Mapping of Water resources, at Jhansi, UP.

District: Jhansi
Implementing organization: Development Alternatives
Master trainer: Man Singh
DDM, NABARD: Ajay Kumar Soni

# झाँसी

रानी लक्ष्मी बाई की कर्मभूमि झाँसी के विभिन्न विकास खंडों के 500 गाँव में "गाँव में एक दिन कार्यक्रम" के अंतर्गत कृषि जलदूत जल संरक्षण और उसके सम्यक प्रयोग हेतु संदेश ग्रामवासियों तक पहुँचाते हैं। झाँसी में अंधाधुंध पेड़ों की कटाई और उजरते वनों ने मानो झाँसी की धरा को अभिशापित कर दिया हो। जलदूतों ने सूखे हुए तालाब को भरने हेतु जन सहभागिता आधारित कार्यक्रम की रूप–रेखा जल संवाद के दौरान निश्चित की। ग्राम वासियों ने भी जल संरक्षण के विभिन्न उपायों पर गौर करने का संकल्प लिया।

Plantation, at Jalaun, UP.

# जालौन

जालौन अथवा उरई के जेहन में जलालपुर गाँव के नून नदी की त्रासदी रच–बस सी गयी है। नून नदी पर पूर्व में निर्मित चेक डैम के कारण नदी को प्राकृतिक रूप से जल आपूर्ति करने वाले झरने सूख गए और देखते–देखते नून नदी का अस्तित्व ही समाप्त हो गया। धीरे–धीरे जालौन जनपद कई नदियों की सूखी धाराओं को अपने दामन से लिपटा कर भी एक–एक बूंद पानी को मोहताज हो गया। जल जीवन है अभियान ने जनपद के 500 गाँव के किसानों की आँखों में आशाओं की ज्योत जगाई है।

District: Jalaun
Implementing organization: Parmarth Samaj Sewa Sansthan
Master trainer: Shri Manvendra
DDM, NABARD: Prakash Kumar

# महोबा

2,884 किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला हुआ, महोबा उत्तर प्रदेश का सबसे कम आबादी वाला जिला है। आल्हा–उदल की कहानियों के लिए प्रसिद्ध यह जनपद जल के अत्यधिक उपयोग से उत्पन्न स्थिति में सूखे का वर्ष प्रति वर्ष सामना कर रहा है। ग्रामवासी बताते हैं कि अगर वर्तमान व्यवस्था बनी रहे तो वह दिन दूर नहीं जब राजाओं के विशाल तालाबों के लिए मशहूर महोबा के कुओं तक से पानी मुंह फेर ले। जल सहायकों के समग्र प्रयासों से एक भागीरथी प्रयास की आवश्यकता उभर कर सामने आई है।

District: Mahoba
Implementing organization: Ishara Sri Gyatri Sewa Samiti
Master trainer: Subash Saxena
DDM, NABARD: K K Soni

Oath Taking Ceremony, at Banda, UP.

# बाँदा

यमुना के दक्षिणी छोर पर स्थित बांदा, सजार पत्थरों का घर कहलाता है। 1,54,428 व्यक्तियों की आबादी वाला ये जनपद बुंदेलखंड में आता है। यहाँ के 85 प्रतिशत तालाब सूख चुके हैं। पानी बे बहाव में समुचित अवरोध नहीं होने तथा पेड़ों की अप्रत्याशित कटाई के कारण विगत वर्ष सामान्य से अधिक वर्षा होने के बावजूद भी, यहाँ के तालाब भर नहीं पाये। जल जीवन है कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामवासियों को जल संरक्षण के विभिन्न उपायों को अपनाने के लिए अभिप्रेरित किया गया। ग्रामीणों ने भी जल संसाधन मानचित्र बना कर जल स्त्रोतों को संरक्षित करने हेतु श्रमदान करने का संकल्प लिया।

District: Banda
Implementing organization: Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan
Master trainer: Bhagwat Prasad
DDM, NABARD: Bhola Prasad Singh

# Hamirpur

Settled on the Banks of Betwa, Hamirpur has an area of 4,121 Square kilometers. Agriculture is the primary economic activity of the district. Rampant use of surface and ground water resulted in depleting water levels. Large lakes dried up forcing use of deep bore wells for extracting water. Jal Jeevan Hai Campaign this year focused on making villagers aware about the need to inculcate better water use habits and learn to care for the scarce resource.

District: Hamirpur
Implementing organization: Arpit Gramin Vikas Sansthan
Master trainer: Rajesh
DDM, NABARD: K K Soni

District: Basti
Implementing organization: Gramin Vikas Sewa Samiti
Master trainer: Ambuj Kumar Yadav
DDM, NABARD: Manish Sharan

# Basti

Basti in eastern Uttar Pradesh at once is related to perineal bout of floods by rivers flowing from the mighty Himalayas and one might dismiss talks of water scarcity in the district. However, Basti does have grave issues as far as fresh water availability is concerned. Wells and tubewells are quickly drying up and to arrest the process of depletion Jal Jeevan hai – the water campaign spread across all the blocks and Krishi Jaldoots made efforts for spreading the water conservation messages.

District: Bahraich
Implementing organization: Panchsheel Development Trust
Master trainer: Dhruv Kumar
DDM, NABARD: M P Barnwal

Focus Group Discussion with Farmers, at Bahraich, UP.

# बहराइच

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से तकरीबन 125 किलोमीटर की दूरी पर भारत नेपाल की सीमा पर स्थित बहराइच, असंख्य वनस्पति, और जीवों से संपन्न जनपद है। यहा के कृषक प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण धीरे–धीरे कठिन दौर की ओर बढ़ रहे हैं, और नाबार्ड के जल जीवन है अभियान से जनपद के 500 गांवों में किसानों को जल के न्यायोचित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

# Chitrakoot

Water is scarce in Chitrakoot as rains fall and disappear in minutes. The wells have dried and check dams have no water to show. Migration to urban centres like Delhi, Lucknow , Bhopal is the prominent activity in the district. Jal Jeevan hai campaign this year has focused on educating the villagers about the need to indulge in Shramdaan for catching the rain where it falls.

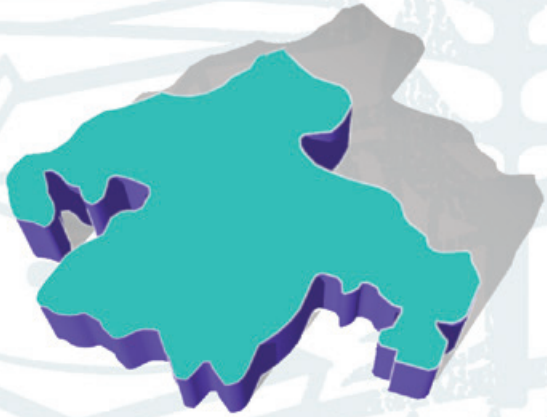

District: Chitrakoot
Implementing organization: Akhil Bhartiya Samaj Sewa Sansthan
Master trainer: Bhagwat Prasad
DDM, NABARD: Bhola Prasad Singh

District: Kaushambi
Implementing organization: Manviya Dristikon Sewa Samiti
Master trainer: Ramsanjivan Dubey
DDM, NABARD: Rajiv Jaitly

Walkathon with children!

# Kaushambi

Kaushambi has recently been bifurcated from Allahabad and straightway is facing water scarcity due to unmindful exploitation of ground water. Helped by "Jal doots" the villagers have taken upon themselves to construct soak pits for every hand pump. Soak pits are likely to help in addressing the depleting ground level of Water. The villagers were also educated about rain water harvesting techniques and various water conservation processes.

# मिर्ज़ापुर

मिर्ज़ापुर गंगा के किनारे रचा–बसा जनपद है। गंगा की अविरल धाराओं के संग विंध्यवासिनी देवी ने जनपद को भरपूर स्नेह दिया। आधुनिक सोच ने त्वरित जल दोहन हेतु डीजल पम्प के उपयोग को बढ़ावा दिया और परंपरागत जल स्त्रोत यथा कुएँ, तालाब को लोग भूल ही गए। गंगा नदी के पेटी में जल कम होने और अंधाधुंध भूजल दोहन से आज किसान कृषि जल हेतु लालायित हैं। कृषि जलदूतों के द्वारा टपक सिचाई प्रणाली जैसी सिचाई व्यवस्था के संबंध में प्रमुखता से जानकारी दी गयी।

Meeting with Panchayat and Jal Sahayaks, at Mirzapur.

District: Mirzapur
Implementing organization: Manviya Dristikon Sewa Samiti
Master trainer: Ramsanjivan Dubey
DDM, NABARD: Sunil Jain

# Sonbhadra

Jawaharlal Nehru described Sonbhadra as Switzerland of India, whiled dedicating the Govind Ballav Pant hydel power project to the nation. Sonbhadra presently is home to host of large industries which utilizes almost all the water available in its rivers leaving the land parched and dry. 800 villages in Sonbhadra was chosen for the Water campaign 2017. Whether awareness generation about water, village water resource mapping and Jal Samvad will usher in a change. Only time will tell, a beginning has however been made.

'Shramdaan', villagers working together to dig out a water body at Sonbhadra, UP.

District: Sonbhadra
Implementing organization: SEARCH
Master trainer: Chandan Kumar
DDM, NABARD: Raees Ahmed

## 'जल जीवन है' अभियान को निकाली रैली

झाँसी : नाबार्ड के 'जल जीवन है' अभियान की शुरुआत जिलाधिकारी कर्ण सिंह चौहान ने की। इस अभियान के शुभारम्भ पर जलदूतों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात के पानी को रोक कर जमीन में सोखने के लिए प्रयास करने चाहिए, नाबार्ड भूजल में वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि जनपद में 53 गाँव अति सूखाग्रस्त है, जिनमें जल संरक्षण हेतु कार्य करवाने हैं। डीडीएम नाबार्ड अजय कुमार सोनी ने अभियान के उद्देश्य पर चर्चा की। डिवेलपमेण्ट अल्टरनेटिव संस्था के चन्दन मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शोभित प्रताप सिंह, विनय

## 'कृषि जलदूत' दूर करेंगे पानी का संकट

पहल — जल संरक्षण के लिए नाबार्ड चलाएगा 'जल जीवन है' अभियान

## जलसंरक्षण के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

## जल संरक्षण के उपायों पर की चर्चा

झाँसी जागरण — झाँसी समाचार — 8

झाँसी : नाबार्ड द्वारा डिवेलपमेंट अल्टरनेटिव के सहयोग से चलाए जाने वाले जल जागरूकता अभियान की शुरुआत आज ग्राम ढिकौली से की गई। कार्यक्रम में जल पुरुष मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित डॉ. राजेन्द्र सिंह बतौर अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बुन्देलखण्ड की धरती प्राकृतिक परंपरा से परिपूर्ण है। यहाँ अनेक नदियाँ तथा जल संरक्षण की परम्परागत तकनीक विद्यमान है। इन्हें संरक्षित करने के साथ ही बारिश के अधिक से अधिक पानी को धरती के अन्दर पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए। डीडीएम नाबार्ड

• ढिकौली गाँव से जल जागरूकता अभियान का शुभारम्भ

अजय कुमार सोनी ने जलदूत अवधारणा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 500 गाँवों में जल जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। चन्दन मिश्रा ने जल संरक्षण के प्रयासों पर प्रकाश डाला। राजेश सिंह ने जल संरक्षण में आम लोगों की भूमिका के बारे में जानकारी दी। शोभित प्रताप सिंह ने आभार व्यक्त किया।

## जल संरक्षण के लिये जलदूतों को दिया प्रशिक्षण

झाँसी। राष्ट्रीय कृषि ग्रामीण विकास बैंक व डेवलपमेन्ट ऑल्टरनेटिव के संयुक्त तत्वावधान में अम्बावाय में हर बूंद जल जागरण अभियान के तहत कृषि जलदूतों को प्रशिक्षण देकर वर्षा जल संरक्षण व संचयन की विभिन्न पद्धतियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य 40 ऐसे जलदूतों को तैयार करना है जो जनपद के गांवों में जाकर जल संरक्षण की अलख जला सके। कार्यक्रम में डीडीएम नाबार्ड अजय सोनी, चन्दन मिश्रा, शोभित प्रताप सिंह, मान सिंह, पुष्पेन्द्र यादव, अमित खरे आदि मौजूद रहे।

पुर। मंगलवार • 9 मई • 2017 — सहारा

## जल ही जीवन है' अभियान का प्रशिक्षण आयोजित

(एसएनबी)। नाबार्ड के सहयोग से र्थ समाजसेवी संस्थान द्वारा पांच सौ गांव रंभ किये जा रहे जल ही जीवन है यान हेतु चयनित कृषि जल दूतों के क्षण का आयोजन जालौन रोड स्थित र होटल में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शंकर पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि मुख्य स अधिकारी एसपी सिंह, उपकृषि क अनिल कुमार पाठक द्वारा दीप वलन के साथ किया गया। जिसमें नाबार्ड अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि धिकारी नरेन्द्र शंकर पांडेय द्वारा अपने षण में कहा गया कि पानी के संरक्षण, संवर्धन एवं इसके समुचित प्रबंधन की हम सबकी जिम्मेदारी है, पानी के संरक्षण हेतु जन समुदाय, पंचायती राज संस्थाओं तथा शासकीय विभागों को एक साथ मिलकर काम करना होगा। पानी की बरवादी से जुड़ी अपनी आदतों एवं व्यवहार को बदलना होगा, पानी की एक-एक बूंद को सहजना तथा संरक्षित करने की आवश्यकता है। बगैर पानी के जीवन की कल्पना नही की जा सकती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एसपी सिंह मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि बुन्देलखंड के लिये सबसे अधिक महत्वपूर्ण पानी का मुद्दा है इस क्षेत्र में पानी के कई संसाधन होने के बाबजूद भी पानी का संकट कई क्षेत्रो में है।

उरई — सन्देश — झाँसी, बुधवार, 9 मई 2017 — 8

## पानी का संरक्षण सम्बर्धन एवं प्रबन्धन हम सबकी जिम्मेदारी : डीएम

• पानी के संरक्षण को लेकर गोष्ठी का आयोजन

## जल संरक्षण के प्रति लोगों को करें जागरूक : डीएम

कलेक्ट्रेट में आयोजित हुआ जल जागरण अभियान कृषि जलदूत प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिन्दुस्तान — कानपुर • बुधवार • 09 मई 2017 — 04

प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते डीएम, मौजूद जलदूत। • हिन्दुस्तान

## 'जलसंरक्षण व संवर्धन के प्रयास करें

## जल संरक्षण की अलख जगाएंगे 40 कृषि जलदूत

## खेती के लिए जल संरक्षण की शपथ

इलाहाबाद बैंक के आरसेटी हाल में जलदूतों का प्रशिक्षण

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com | लखनऊ। शनिवार • 6 मई • 2017

## जिले में संचालित होगा 'जल जीवन है' जागरूकता अभियान

बालक — झाँसी, बुधवार, 10 मई, 2017

## ढिकौली गांव से हुआ जन जागरूकता अभियान का शंखनाद

झाँसी। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा डेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव्स के सहयोग से जिले में जल जागरूकता अभियान का शंखनाद ग्राम ढिकौली से किया गया। जिला विकास प्रबंधक डीडीएम अजय कुमार सोनी व डेवलपेंट ऑल्टरनेटिव्स के चंदन मिश्रा के साथ देश भर में जल पुरूष के नाम से विख्यात व मेग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित महत्ता पर प्रकाश डाला। डीडीएम नाबार्ड ने बताया कि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के सहयोग से जल संरक्षण हेत 500 ग्रामों में जल जागरूकता अभियान चलाय जायेगा और इसकी शुरूआत इस गांव से कर दी गई है। यदि जल संरक्षण के प्रति आ नागरिक जागरूक नहीं होगा तो आने वाले समय में पानी की कमी एक विकराल संकट बनकर लोगों के सामने आयेगी। आम

## जल संरक्षण हेतु कृषि जलदूतों को किया प्रशिक्षित

झांसी। राष्ट्रीय कृषि ग्रामीण विकास बैंक व डेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव्स के संयुक्त तत्वावधान में संस्था के अम्बावाय स्थित कार्यालय के प्रशिक्षण हॉल में हर बूंद जल जागरण अभियान के अंतर्गत कृषि जलदूतों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य 40 ऐसे जलदूतों को तैयार करना है, जिससे जिले के हर गांव में जल संरक्षण की अलख जगायी जा सके। जल संरक्षण हेतु लोगों को जागरूक करने का यह कार्यक्रम जिले के 500 गांवों में किया जायेगा।

कार्यक्रम की शुरूआत संस्था के प्रतिनिधि चंदन मिश्रा व शोभित प्रताप सिंह द्वारा जल जागरूकता अभियान के उद्देश्य पर चर्चा के साथ की गई। नाबार्ड द्वारा मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षित किये गये डेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव्स के मान सिंह व सहयोगी संस्था साई ज्योति ललितपुर के सिद्धगांपाली द्वारा प्रशिक्षण का संचालन किया गया, जिसमें विभिन्न पद्धतियों जैसे समुदाय के सहयोग से गांव का नक्शा तैयार कर उसमें जल स्त्रोत की पहचान करना व जागरूकता अभियान में उपयोग की जाने वाली विभिन्न पद्धतियों पर चर्चा की गई तथा जलदूतों के साथ मिलकर समूह कार्य भी किये गये। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव्स के अन्य साथी पुष्पेंद्र यादव, अमित खरे आदि उपस्थित रहे

मई 6, 2017 — शनिवार — अमर उजाला

## पुराने तरीके से करें जल का संरक्षण

जिले के 500 गांवों में चलाया जाएगा 'जल ही जीवन है' जागरूकता अभियान

कृषि जलदूतों के प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ

कृषि जलदूतों के प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते जिलाधिकारी

### 25 गांव पर काम करेंगे दो जलदूत

### यह क्लॉक हुए चयनित

## NABARD's water campaign to be tracked through app

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

In a programme on World Water Day (March 22) NABARD had resolved to organise awareness about water in more than one lakh villages across the country during the months of May and June 2017.

To implement the campaign effectively, master trainers across the states have been identified and they have been imparted training at seven centres. The programme for Bihar, Uttarakhand and UP was organised at the NABARD's Regional Office on Wednesday.

The training module, posters, flip charts, slogans as well as Krishi Jaldut training modules have been developed by the Centre for Environment Education in consultation with NABARD.

in charge, said that it would built adequate capacities in the master trainers. Various sessions handled by resourcepersons from CEE included practical approaches to Krishi Jaldut training, resource mapping, village water map making etc.

Under the campaign NABARD has selected 12 districts based on CRIDA Climate Vulnerability Analysis ( Jhansi, Lalitpur, Jalaun, Mahoba, Hamirpur, Basti), where a team of two Krishi Jaldoots would organise the programme in 25 villages each.

Speaking to the participants, AK Panda, CGM, NABARD, UP, said that it had resolved to change the ration from 17 percent usage of rain water at present to a larger level so as to make use of every drop of falling rain. He also expressed the hope that the water campaign would lead to improvement of its availability.

For the first time a mobile app would be used for real time monitoring of the village level programmes with uploads of pictures, videos and crucial water-related data. NABARD would at a later date collate the data and look at the possibilities of meaningful and appropriate interventions for improving water management

## फसलों के उत्पादन में वृद्धि हेतु करें जल संरक्षण : जेटली

▸ आयोजित हुई जल प्रबंधन के प्रयासों के माध्यम से बेहतर जनपद के 415 गांवों में ग्रामीण दृष्टिकोण नमी को बढ़ाने के लिये विभिन्न उपायों से

## Oath for water

We believe that water is the wealth that belongs to our nation and to us all.

We pledge to use it carefully and efficiently in our farms so that it is conserved and remains unpolluted.

We understand that many crops require moisture, and not necessarily large quantities of water. We pledge to preserve moisture in the soil by using it carefully and needed quantities and also protect soil health by using more natural fertilizers.

We will take steps to harvest water when and where available, and conserve and manage it using appropriate technologies including traditional techniques. We shall optimize its use in agriculture as well as in our personal lives.

We undertake, individually and collectively, to conserve water wherever it is found-hills, grasslands, plains, forests, farms, rivers, streams, ponds, wells and others.

We reaffirm our faith in the role of water in our individual and collective livelihoods, our welfare and our future and pledge to take care of it by using it judiciously.

आइये हम सब भी मिलकर जल के लिए
एक मासूम शुरुआत करे...

नाबार्ड

"एकाहं तु स्थितं पृथिव्यां राजसन्तम।
कुलानि तारयेत् तस्य सप्त-सप्त पराण्यपि।।६५।।"

One who's burrowed land holds water by the elapse of a day,
would get enough water for his family for next seven generations.

*(An excerpt from Narad Puraan)*

**National Bank For Agriculture and Rural Development**
11, Vipin Khand
Uttar Pradesh - 226010. Lucknow.

Email : lucknow@nabard.org
Website: www.nabard.org

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Photograpy & Design by rosehub.in